श्रमिकों को लुभा रहे ईएसआईसी के स्वास्थ्य सेवा व सुरक्षा हितलाभ

2023 में 12.63 लाख, 2024 में 14.80 लाख हुए बीमित।

कुमार प्रवेश, गुड़गांव टुडे

मानेसर। कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा श्रमिकों को दिए जा रहे हितलाभ खूब पसंद आ रहे। यही वजह है कि 24 फरवरी-2024 को श्रम रोज़गार मंत्रालय द्वारा इसकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित भी किया गया। ज्ञात हो कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम ने बीते कुछ वर्षों में अपने कार्यक्षेत्र में शानदार प्रगति की है। यही वजह है कि फरवरी-2024 में श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय ने इसकी उत्कृष्ट सेवाओं पर पुरस्कृत भी किया। वर्ष 2023-24 के दौरान कार्यालय ने अपनी सेवाओं को बेहतर बनाने, सुविधाओं का विस्तार करने के संबंध में कई अहम फैसले लिए। जो प्रत्यक्ष रूप से विभिन्न उद्योग व इकाइयों में कार्य कर रहे श्रमिकों के खूब पसंद आ रही है। जिले के कामकाजी श्रमिकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह ईएसआईसी की स्वास्थ्य, सेवा व सुरक्षा पर दिए जा

रहे हितलाभ है। वर्ष- 2022-23 में गुरुग्राम में 12.63 लाख बीमित व्यक्ति थे। जो वर्ष-2023- 24 में बढ़ कर 14.80 लाख हो गए। ईएसआईसी की योजनाओं का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन हुआ है। मौजूदा समय में 3400 से ज्यादा स्थायी दिव्यांग जन को हितलाभ प्रदान किया जा रहा। 1750 लोगों को आश्रित जन हितलाभ दिया जा रहा। 2023-24 तीन हज़ार से ज्यादा बीमितों को रु0 3.69 करोड़ बीमारी हितलाभ, व 571 महिलाओं को 4.57 करोड़ मातृत्व हितलाभ दिए गए।

सुविधाओं का तेज विस्तार

गुरुग्राम खुद एक औद्योगिक व कॉर्पोरेट हब है। यहां के लाखों श्रमिकों की समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना चुनौती थी। बावजूद इसके ईएसआईसी ने इसे स्वीकार करते हुए अपनी स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार किया। गुरुग्राम व मानेसर में ईएसआईसी के दो बड़े अस्पताल है। बुजुर्गों व निशक्तजनों के लिए टेलीमेडिसिन व घर बैठे दवाओं का प्रेषण किया गया।

ये है ईएसआईसी के हितलाभ

ईसीआईसी में बीमारी हितलाभ, मातृत्व हितलाभ, स्थायी/अस्थायी विकलांगता हितलाभ, आश्रित जन हितलाभ व बेरोज़गारी भत्ते जैसी योजनाएं शामिल हैं। इन कल्याणकारी योजनाओं से श्रमिकों को आर्थिक और मानसिक सुरक्षा मिली है।

चिकित्सा शिक्षा पर भी बल

बीमित व्यक्तियों के बच्चों के मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग की पढ़ाई हेतु निगम के 8 मेडिकल कालेजों, 2 नर्सिंग, 2 डेंटल कॉलेजों में विशेष रूप से सीटें रिज़र्व हैं। जिससे बीमित कामगारों के बच्चे भी कम खर्च में डॉक्टर, नर्स बन कर समाज सेवा कर सकते है। जल्द डिजिटलीकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

''गुरुग्राम ईएसआईसी श्रमिकों के स्वास्थ्य व कल्याण की दिशा में उत्कृष्ट काम कर रहा है। इसके द्वारा की गई पहलें व सुधार क्षेत्र श्रमिकों के जीवन में बदलाव ला रही हैं। योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से गुरुग्राम के श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं बीमित व्यक्तियों को प्रदान की जा रही है।''

-सुनील यादव, संयुक्त निदेशक ईएसआईसी गुड़गांव।